



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रधानमंत्री द्वारा प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

फॉ. ५]

नं. दिल्ली, अंवार, चतुर्वेदी ४, १९९५/माघ १५, १९१६

No. 5] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 4, 1995/MAGHA 15, 1916

इस भाग के लिए एक संस्कृत दी जाती है जिससे कि यह भलग लकड़ी की रूप अर्थात्
रक्षा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation.

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (३)
PART II—Section 3—Sub-section (3)

केंद्रीय अधिकारियों (जो राज्य और राज्यालयों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए आदेत और अधिकारियों

Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

भारत नियमिका आयोग

नईमिल्सी, २१ जनवरी, १९९५

बा. अ. ७.—सोनक प्रतिनिधित्व प्रतिनिधित्व, १९५०(१९५० का ५३) की आदा १३क भी उम्मीदा (१) आदा प्रदान कर्तितमार्गों का प्रयोग करते हुए, नियमिका आयोग, मिल्लियर सरकार के पासमार्गों से श्री चांसलर प्रसाद के उम्मीदा पर श्री चांसलर जी.एम., मिल्लियर, प्रसादमीम आमुल्ला, दक्षिणा छोटा नामामुल्ला, शोटी को उम्मीदे कांसलर संसाधनों भी तासीडा से, आपासी आदेतों तक के लिए, मिल्लियर साध्या के मुद्दा नियमिका अधिकारी के रूप में नामित रहता है।।

२. श्री चांसलर जी.एम., मिल्लियर एसी परम्परार ग्रहण करते हें मूर्म लिल्लियर सरकार के अधीन सर्वीस सर्वीसप्रबन्धकार या नियमिका कार्यों के पासमार्गों की उत्तरालय ध्याया रहता करते हें या सीमा क्षेत्रों। नियमिका आपासद भी असुमिति नहीं दी जाएगी।।

३. श्री चांसलर जी.एम., मिल्लियर को मुद्दा नियमिका अधिकारी, मिल्लियर के रूप में जाम्प करते हुए मिल्लियर सरकार के अधीन जोहरी भी अधीनितित चांसलर ग्रहण करते भी असुमिति नहीं दी जाएगी, नियमिका कार्यों के लिए उम्मीदे सम्बन्धित में नियमिका आयोग के अधीन मिल्लियार के अधीनित चांसलर के अधीनित सरकार के नियमिका

के रूप में क्षमितिहीन नियम जारी की राज्य सरकार द्वारा नियमित है।।

४. यदि श्री नियमित को अद्योता की लिखित मूल्यानुमति दिए जाना जोहरी अधिकारी कार्यालय सीमा का अनुचार ऐसा अधिकारी नामी-भार ग्रहण करते ही तारीख से शुरू नियमिका अधिकारी मिल्लियर के परम्परार से हुआ दिए गए तारीख जारी हो तरह नामित के अधीन आदेत जाती करती भी अप्रकल्पना नहीं होती। उम्मीदे परम्परार मुद्दा नियमिका अधिकारी के रूप में उम्मीदे द्वारा भी नहीं सीमा को जोहरी भी नामित हो अप्राधिका भी राज्य नामित भी द्वारा होती राज्य के स्वामी अनुचार नामित कार्यालय का अधीन हो दिए जाने के भागी होते।।

[पं. १५४/विस्तर/१५]
आदेत से,
के.पी.जी. चूड़ी, नियमिका

ELECTION COMMISSION OF INDIA

New Delhi, the 21st January, 1995

Q.D. 7.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 13A of the

Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Bihar hereby nominates Shri R. J. M. Pillai, Divisional Commissioner, South Chhotnagpur, Ranchi as Chief Electoral Officer for the State of Bihar with effect from the date he takes over charge and until further orders vice Shri Shankar Prasad.

2. Shri R. J. M. Pillai shall cease to hold and hand over forthwith the charge of all or any charges of work, under the Government of Bihar which he may be holding before such assumption of office. No exceptions will be permitted.

3. Shri Pillai while functioning as the Chief Electoral Officer, Bihar shall not be directed to hold any additional charge whatsoever under the Government of Bihar, except that he should be designated Secretary to the Government incharge of the Department dealing with elections under the Election Commission in the State Secretariat as decided by the State Government.

4. If Shri Pillai is entrusted with or is made to hold any additional charge of any kind whatsoever, without the prior written approval of the Commission, he shall stand removed automatically from the office of the Chief Electoral Officer, Bihar from the date of assumption of such additional charge as per this order and no separate orders will, or need to issue. All and any action taken by him thereafter in the so called discharge of his duties and functions as the Chief Electoral Officer shall be unauthorised and non-existent and null and void and he shall render himself liable to disciplinary action.

[No. 154/BR/95]

By order,
K. P. G. KUTTY, Secy.